कंबोडिया की नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट द्वारा आयोजित रात्रिभोज के अवसर पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण

महामहिम श्री हेंग समरीन, प्रेसिडेंट, नेशनल असेंबली, कंबोडिया;

नेशनल असेंबली, कंबोडिया के माननीय सदस्यगण;

अन्य विशिष्ट अतिथिगण, देवियो और सज्जनो:

---

1. मैं भारतीय संसदीय शिष्टमंडल की ओर से, महामहिम श्री हेंग समरीन को मेरे और शिष्टमंडल के सभी सदस्यों के आतिथ्य सत्कार के लिए धन्यवाद देता हूं।

2. नोम पेन्ह के इस मनोरम शहर में आज शाम आप सभी के बीच आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

3. कंबोडिया की नेशनल असेंबली के सदस्यों और आज शाम यहां उपस्थित सभी विशिष्ट सदस्यों को मेरी शुभकामनाएं।

4. मित्रो, भारत और कंबोडिया के बीच घनिष्ठ और सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हैं। प्राचीन काल से ही भारत और कंबोडिया के बीच विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सहयोग और आदान-प्रदान रहा है। कंबोडिया और भारत के बीच पहली शताब्दी ई. से ही संपर्क रहा है। 12वीं से 14वीं शताब्दी के दौरान निर्मित अंकोर वाट मंदिर की भव्य संरचना में दो संस्कृतियों की गौरवमय झलक दिखाई देती है।

5. भारत ने अंकोर वाट मंदिर और अंकोर आर्कोलॉजिकल पार्क में स्थित ता प्रोह्म मंदिर के नवीनीकरण और संरक्षण का कार्य करके भी उनकी सहायता की है।

6. भारतीय वास्तुकला की झलक कंबोडिया स्थित विश्व प्रसिद्ध अंगकोर वाट सहित अंगकोर थॉम, बेयन, ता प्रोह्म, बंटेय श्रेई, प्रीह विहार तथा अन्य धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों की भव्य संरचनाओं में देखने को मिलती है।

7. भारत और कंबोडिया न केवल वर्षों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को अपितु हमारे मौजूदा सुदृढ़ सांस्कृतिक संबंधों और दोनों देशों की जनता के बीच परस्पर संबंधों को भी महत्व देते हैं तथा हम दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में प्रयासरत हैं।

8. वर्तमान समय में, वर्ष 1952 में हमने आधिकारिक तौर पर अपने राजनयिक संबंध स्थापित किए हैं। कंबोडिया और भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक देशों में से एक हैं।

9. इस ऐतिहासिक आंदोलन के माध्यम से दोनों देशों के संबंध और अधिक प्रगाढ़ हुए हैं।

10. मित्रो, वर्ष 1981 में कंबोडिया में सर्वप्रथम दूतावास की स्थापना करने वाले देशों में से एक देश भारत था। तब से दोनों देशों के राजनेताओं के बीच नियमित परस्पर संवाद, द्विपक्षीय दौरे और सांस्कृतिक आदान-प्रदान होता रहा है। नियमित आधार पर हुए उच्च स्तरीय दौरों ने दोनों देशों के बीच आपसी समझ और विश्वास को और सुदृढ़ किया है।

11. दोनों देशों के बीच गहरे आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध हैं। हमें आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना होगा। पारस्परिक लाभ और हस्तक्षेप न करने के सिद्धांतों पर आधारित भारत-कम्बोडिया का संबंध एक विशिष्ट स्थान रखता है।

12. भारतीय अर्थव्यवस्था वर्तमान में विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इसका निरंतर विकास हो रहा है।

13. भारत विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन और निर्यात केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है और हमारे मेक इन इंडिया के सपने को साकार कर रहा है। हमारी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने पारम्परिक और नए क्षेत्रों में निवेश के विविध अवसर प्रदान किए हैं।

14. मेकांग-गंगा सहयोग और आसियान-भारत मुक्त व्यापार समझौते के द्वारा दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूती मिली है।

15. यह बड़े ही संतोष का विषय है कि भारत और कम्बोडिया कई बहुपक्षीय और क्षेत्रीय मंचों पर एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और आसियान के संदर्भ में कम्बोडिया एक महत्वपूर्ण

वार्ताकार और एक अच्छा साझेदार है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2022 को आसियान-भारत मित्रता वर्ष के रूप में घोषित किया है।

16. आसियान के भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनने के साथ ही, भारत-आसियान व्यापार और निवेश संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। कम्बोडिया द्वारा वर्ष 2022 में आसियान की अध्यक्षता करने से हम आशा करते हैं कि दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे।

17. इसका कारण यह है कि हाल ही में विविध क्षेत्रों जैसे-संस्थागत क्षमता निर्माण, मानव संसाधन विकास और रक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण के अवसर प्राप्त हुए हैं।

18. इस वर्ष 09 नवम्बर को, कंबोडिया अपना 68वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। भारत भी अमृत काल में प्रवेश करने के साथ ही आजादी का 75वां वर्ष मना रहा है, यहां से भारत की 75वें वर्ष से 100वें वर्ष की यात्रा आरम्भ होगी। हम कंबोडिया के साथ अपने राजनयिक संबंधों का 70वां वर्ष भी मना रहे हैं।

19. यह दोनों देशों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है और आने वाले वर्षों में अपने संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने के लिए हमें तत्पर रहना चाहिए।

20. साथियो, इस प्रकार के संसदीय दौरे राष्ट्रों के बीच संवाद के लिए प्रभावी माध्यम प्रदान करते हैं और आपसी समझ, सहयोग और मित्रता को मजबूत करने को बढ़ावा देते हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि लोगों में सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आदान-प्रदान को नियमित करने की आवश्यकता है। हम दोनों देशों की संसदों और सांसदों के बीच बेहतर सहयोग की आशा करते हैं।

21. मैं, इन्हीं शब्दों के साथ अपनी तथा अपने सहयोगियों की ओर से नेशनल असेम्बली, कम्बोडिया के महामहिम प्रेसीडेंट को मुझे और मेरे शिष्टमंडल के सहयोगियों को दिए गए सम्मान के लिए धन्यवाद देता हूं। इस अवसर पर उपस्थित होने के लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं।